The total monthly duration of Maithili programmes (excluding Maithili songs) broadcast from AIR stations in Bihar is 32 hours and 50 minutes. At present there is no proposal to increase the duration of the programmes in that language.

Japan's Proposal for Power Project in Mirzapur District of U.P.

63. PROF. AJIT KUMAR MEHTA: Will the Minister of ENERGY be pleased to state:

(a) whether it is a fact that some time in April, 1980 the State Government of Utter Pradesh had submitted for Centre's approval an offer made by a Japanese firm for its power project in Mirzapur District;

(b) if so, details thereof and whether the proposal has been cleared by the Central Government; and

(c) if the proposal has not been cleared so far, reasons for delay in clearing the proposal?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF ENERGY (SHRI VIKRAM MAHAJAN): (a) A proposal made by a Japanese firm to supply equipment for Annapara 'B' Power Project was received from the Government of Utter Pradesh in April, 1980.

(b) and (c). The proposal relates to the import of generating equipment from Japan for the proposed Annapara 'B' Thermal Project of UPSEB comprising of 2x500 MW thermal generating sets. An offer for the supply of necessary equipment for developing the related coal mines has also been made. The proposed Anapara 'B' Project of UPSEB has yet to be accorded techno-economic approval by the Central Electricity Authority, after which an investment decision can be taken. The proposal also impinges on the import policy of the Government of India in respect of power generating equipment and has to be examined from the policy angle.

आठवें फिल्म समारोह की आलोचना

64. **श्री मूल चन्द डागा :** क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान दिनांक 3 जनवरी, 1981 के हिन्दी हिन्दुस्तान में पृष्ठ 4 पर "8वां फिल्म समारोह, मान्यता की तलाश" शीर्षक से प्रकाशित लेख की ओर आकर्षित किया गया है ; यदि हां, तो उस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ;

(ख) क्या यह सच है कि इस समारोह में उचित व्यवस्था के अभाव में जनता को भारी असन्तोष हुआ और उन्होंने अपने क्रोध को व्यक्त करने के लिये सिनेमा हालों में प्रवेश किया ; और

(ग) क्या विश्व के फिल्म बनाने वाले बड़े देश अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म समारोहों को उचित महत्व नहीं दे रहे हैं और प्रदर्शन के लिये अपनी अच्छी फिल्में नहीं भेज रहे हैं ; यदि हां, तो इस सम्बन्ध में सरकार द्वारा क्या उपाय किये जा रहे हैं ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय में उपमंत्री (कुमारी कुमुद बेन एम० जोशी) : (क) जी, हां । इस लेख में भारत में सिनेमा की स्थिति के बारे में अनेक विचार व्यक्त किए गए हैं । सरकार इस विचार से सहमत है कि हमारे देश में स्तरों में सुधार करने की आवश्यकता है । जैसा कि उस लेख में बताया गया है, अन्तर्राष्ट्रीय समारोहों का आयोजन स्तरों में सुधार करने के उपायों में से एक है ।

(ख) जी, नहीं । समारोह के दो सप्ताहों के दौरान 5,00,000 से भी अधिक लोगों ने फिल्में देखी । समारोह के दौरान 10 छविग्रहों में हुए 550 फिल्म-प्रदर्शनों में केवल तीन अवसरों पर ही कुछ समस्याएं